4127

एम. ए. पूर्वार्द्ध द्वितीय प्रश्नपत्र

इतिहास का व्यावसायिक दृष्टिकोण

प्रथम इकाई–परिचय

1. व्यावसायिकताः संकल्पना, विचार, आवष्यकता एवं सिद्धान्त
2. व्यवसायों के नैतिक एवं कानूनी पहलू : इतिहास संरक्षण के विशेष सन्दर्भ में। विरासत संरक्षण अधिनियम, कॉपीराइट अधिनियम, बौद्धिक सम्पदा अधिकार आदि।
3. व्यावसायिक कौषल तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.)

द्वितीय इकाई–इतिहास में व्यवसाय के रूप में शिक्षा

1. शिक्षण : विद्यालय, महाविद्यालय, विशिष्ट शिक्षण
2. शोध एवं उससे सम्बद्ध क्षेत्र : शोध सहायक एवं शोध अधिकारी
3. पुरातत्व एवं उत्खनन : पुरालेखपाल, संग्रहाध्यक्ष (क्यूरेटर)–गूढाक्षर–वाचक, परिरक्षक
4. प्रतियोगी विषय के रूप में इतिहास

तृतीय इकाई–विरासत एवं पयर्टन के क्षेत्र में व्यवसाय

1. स्मारकीय विरासत
2. समाज एवं संस्कृति : उत्सव एवं मेले, भोजन एवं पेय
3. पारिस्थितिकी एवं वन, स्वास्थ एवं चिकित्साः योग, औषधीय पौधे
4. ऐतिहासिक पयर्टन : गाइडिंग, यात्रा एवं भ्रमण, विरासत होटल, संग्रहालय

चतुर्थ इकाई–उत्पाद के रूप में इतिहास

1. व्यक्गित एवं शासकीय/आधिकारिक/सरकारी–कार्यालयीय रिकार्ड
2. व्यक्तिगत, कार्यालयीय एवं विशिष्ट इतिहास–लेखन
3. वंशावली, सिटी बुक, कॉफी टेबल बुक, फैमिली बुक
4. वाणिज्यिक उत्पाद : पारम्परिक हस्तशिल्प, लघुचित्र
5. स्थानीय उत्पाद की संकल्पना एवं निर्माण

पंचम इकाई–संगठन (सरकारी–गैरसरकारी)

1. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन : यूनेस्को
2. राष्ट्रीय संगठन : भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद् (ICHR) भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस भारतीय

3. राज्यस्तरीय संगठन : राजस्थान हिस्ट्री कांग्रेस राजस्थान राज्य अभिलेखागार और संग्रहालय
4. क्षेत्रीय संगठन : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, (जोधपुर), श्री नटनागरशोध संस्थान, सीतामऊ (म.प्र.), प्रताप शोध प्रतिष्ठान, (उदयपुर), साहित्य संस्थान उदयपुर महाराजा मेवाड.शोध संस्थान, (उदयपुर)
5. इतिहास एवं संस्कृति से सम्बद्ध गैरसरकारी संगठन का विकास कैसे करे ?

सन्दर्भ पुस्तकें

1. आशुतोष सक्सेना, राजस्थान का ऐतिहासिक पुरातत्व, साहित्यागार, जयपुर
2. चन्द्रमणि सिंह, राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा, पत्रिका प्रकाशन, जयपुर
3. विक्रम सिंह राठौड़, राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थानी शोध संस्थान, जोधपुर
4. रत्नलाल मिश्र, स्मारकों का इतिहास, इनाश्री पब्लिकेशन, जयपुर
5. दामोदर लाल गर्ग, ऐतिहासिक स्थानावली, अरावली प्रकाशन, जयपुर
6. आशुतोष सक्सेना, राजस्थान का ऐतिहासिक पुरात्तव, साहित्यागार, जयपुर
7. प्रतिभा, भारत की ऐतिहासिक–सांस्कृतिक विरासत एवं पर्यटन उत्पाद, ए.बी.डी. पब्लिशर्स, जयपुर
8. मोहनलाल गुप्ता, राजस्थान : जिलेवार सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक अध्ययन, राजस्थानी ग्रन्थागार, जयपुर

4127

M.A. Previous Paper –II

PROFESSIONAL APPROACH OF HISTORY

Unit I

Introduction

1. Professionalism: Concept, Need and Principals.
2. Ethics and Legalities of Professions: special reference to preserve History-Heritage Conservation Acts,Copy right Acts, Intellectual Property rights etc.
3. Professional Skill and ICT.

Unit II

Education as a Profession in History

1. Teaching: School, College, Specific Teaching.
2. Research and Allied; Research Assistant & Research Officers.
3. Archaeology and Excavation : Archivist, Curator, Decipherist, costodion.
4. History as a Competitive Subject.

Unit III

Profession in field of Heritage and Tourism

1. Cultural Heritage: Festivals and Fairs, Foods and Beverages.
2. Ecology and Forest, Health and Medicines: Yoga, Medicinal Plants.
3. Historical Tourism:Monuments, Museums, Heritage Hotels, Guiding, Travel & Tour.

Unit IV

History as a Product

1. Private and Official Records.
2. Personal, Offical and Specific writing of History.
3. Vanshavali, City Book, Coffee Table Book, Family Book.
4. Commercial Products: Traditional Handicrafts, Miniature Paintings, Textiles.
5. Concept and Creation of Local Product.

Unit V

Organisations (Government, Non-Government)

1. International : UNESCO
2. National : ICHR, ASI, Indian History Congress, National Archives of India and INTACH
3. State: Rajasthan History Congress, Rajasthan states Archives and Museum
4. Regional: Rajasthan Oriental research Institute (Jodhpur), Shree Natnagar Shodh Sansthan (Sitamau, M.P.), Pratap Shodh Pratisthan (Udaipur), Sahitya Sansthan (Udaipur), Maharana Mewar Research Institute (Udaipur).
5. How to develop N.G.Os relating to History & Culture.

Suggested Readings

1. Tracey Loughran, A Practical Guide to Studying History: Skills and Approaches.
2. Elizabeth Shown Mills (ed), Professional Genealogy,Genealogical Publishing Company, Baltimore, U.S.A.
3. John K. Kultgon,Ethics and Professionalism, Pennsylvania Press.
4. David Carr, Professionalism and Ethics in Teaching, Routledge.
5. G. Watt, The Commercial Products of India, London.
6. Vasudev Sharan Agarwal, Evolution of The Hindu Temple and Other Essays, Prithvi Prakashan, Allahabad.
7. Vasudev Sharan Agarwal, Indian Art (Vol-1,2), Prithvi Prakashan, Allahabad.
8. Vasudev Sharan Agarwal, The Heritage of Indian Art, Ministry of Information of India.
9. Om Prakash, Food and Drinks in Ancient India, Delhi.
10. Arun Ghose, Conservational and Restoration of Cultural Heritage, Delhi.
11. G.E.O. Acpa, Contribution of Museum in the Modern Society.
12. Usha Agrawal, Museum in India: A Brief Directory, New Delhi
13. Margaret Macmillan, Uses and Abuses of History.
14. John Stanley and Linda Sally Stanly, Food Tourism: A Practical Marketing Guide, C A B I, Australia.
15. Karl Jan Borowiecki, Cultural Tourism in a Changing World, Springer.
16. Constantine Sandis (ed), Cultural Heritage Ethics: Between Theory and Practice, Curato.